समय : 3 घंटे **नमूना कृतिपत्रिका - 2 (2022-23)** कुल अंक : 80

सूचनाएँ : 1. सूचना के अनुसार गदय, पदय, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गदय

पठीत गदय

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 8

यहाँ की शाम बड़ी अच्छी होती है तो चलो, इस शाम का आनंद लेने के लिए बेनालियम बीच की ओर चलें। आप भी चलें क्योंकि बहुत ही खूबसूरत तथा शांत जगह है बेनालियम। दिन भर की थकान तथा उमस भरी गरमी के बाद शाम को बीच पर जाना बड़ा अच्छा लग रहा था। रिसॉर्ट से बीच की दूरी कोई एक किमी ही थी लेकिन जल्दी–जल्दी चलने के बाद भी यह दूरी तय हो ही नहीं पा रही थी। अरब सागर देखने का उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। तभी अचानक लहारों की आवाज सुनाई दी जो किसी रणभेदी की तरह थी। हम सभी दौड़ पड़े। सड़क पीछे छूट गई थी इसलिए रेत पर तेजी से दौड़ना मुश्किल हो रहा था, फिर भी धँसे हुए पैरों को पूरी ताकत से उठा– उठाकर भाग रहे थे। खूबसूरत समुंदर देखते ही मैं उससे जाकर लिपट गया। इधर बच्चे रेत का घर बनाने में जुट गए। लहरें उनका घर गिरा देतीं तो वे दूसरे लहर आने के पहले फिर नया घर बनाने में जुट जाते। यही क्रम चलता रहा। मैंने इन बच्चों से सीखा कि जीवन में आशावाद हो तो कोई काम असंभव नहीं है। शाम गहराने पर हम किनारे पर बैठ गए। मानो हर लहर कह रही हो कि बनने के बाद मिटना ही नियति है। यही जीवन का सत्य भी है।

Genius JEE | NEET | CET | FOUNDATION Institute

1. i) संजाल पूर्ण कीजिए। 1

[ ] — बेनालियम की विशेषता — [ ]

ii) वाक्य पूर्ण कीजिए। 1

लेखक ने बच्चों से यह सीखा ....

2. कारण लिखिए। 2

i) लेखक को शाम को बीच पर जाना अच्छा लगा क्योंकि -

ii) रेत पर तेजी से दौड़ना मुश्किल हो रहा था क्योंकि

3. अ) निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए : 1

i) सत्य - ii) दिन -

आ) वचन बदलिए : 1

i) सड़क - ii) बच्चा -

4. 'जीवन में आशावाद हो तो सभी काम संभव हो जाते हैं।' इस कथन पर अपने विचार लिखिए : **2**

प्र. 1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **8**

व्यापारी और उद्योगपतीयों के लिए अर्थशास्त्र ने यह नियम बताया है कि खरीद सस्ती-से-सस्ती हो और बिक्री महँगी-से-महँगी । मुनाफे की कोई मर्यादा नहीं । जो कारखाना मजदूरों के शरीर श्रम के बिना चल ही नहीं सकता, उसके मजदूरो को हजार-पाँच सौ मासिक से अधिक भले ही न मिले, पर व्यवस्थापकों और पूँजी लगाने वालों को हजारों-लाखों का मिलना गलत नहीं माना जाता ।

मनुष्य समाज में रहने से अर्थात समाज की कृपा से ही व्यवहार चलाने लायक बनता है । बालक प्राथमिक शाला से लेकर देश-विदेश के ऊँचे-से-ऊँचे महाविद्यालयों में सीखकर जो योग्यता प्राप्त करता है, वे शिक्षालय या तो सरकार द्वारा चलाए जाते हैं, जिनका खर्च आम जनता से टैक्स के रूप में वसूल किए पैसे से चलता है या दानी लोगों की कृपा से । जो कुछ पढ़ने की फीस दी जाती है, वह तो खर्च के हिसाब से नगण्य है । उसको समाज का अधिक कृतज्ञ रहना चाहिए कि उस पैसे के बल पर विद्या प्राप्त कर सका । इस सारी शिक्षा में जो कुछ ज्ञान मिलता है, वह भी हजारों वर्षो तक अनेक तपस्वियों ने मेहनत करके जो कण-कण संग्रहीत कर रखा है, उसी के बल पर मिलता है । व्यापारी और उद्योगपति भी व्यापार की कला विद्यालयों से, अपने साथियों से एवं समाज से प्राप्त करते हैं ।

1. संजाल पूर्ण कीजिए : **2**

दान से कार्य बनते हैं

Genius
JEE | NEET | CET | FOUNDATION Institute

2. i) उत्तर लिखिए। **1**

i) व्यापारी और उद्योगपतियों के लिए अर्थशास्त्र द्वारा बनाए गए नियम -

ii) संजाल पूर्ण कीजिए : **1**

व्यापार की कला इनसे प्राप्त होती है

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश मे ढूँढकर लिखिए। **2**

अ) महँगी x   आ) बिक्री x

इ) देश x   ई) सही x

4. 'समाज के उन्नती के लिए शिक्षा आवश्यक है।' इस पर अपने विचार लिखिए : **2**

प्र. 1. (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4**

वैज्ञानिक अध्ययनों एवं भूगर्भीय ऑकड़ो से यह तथ्य सामने आया है कि भारत का दो तिहाई भाग भूकंपीय पट्टी में पड़ता है। जम्मू-काश्मीर, पंजाब, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, नेपाल सीमा क्षेत्र, गुजरात (कच्छ का रन) तथा अंदमान द्वीपसमूह भूकंपीय पट्टी में है। यह भूकंपीय पट्टी वास्तव में भूमंडलीय पट्टी का एक हिस्सा है, जो पृथ्वी के एक छोर से दूर छोर तक जाती है। हाल के वैज्ञानिक शोधों ने यह सिद्ध कर दिया है कि इंडियन प्लेट बराबर साढ़े पॉच सेंटीमीटर प्रतिवर्ष की गति से उत्तर-पूर्व दिशा में खिसक रही है और इस प्रकिया में समय-समय पर अपनी जगह पर स्थिर

युरेशियन प्लेट से टकराकर हिमालय क्षेत्र में भूकंप का तांडव दिखाती रहती है। वास्तव में अक्तूबर **1991** में आए उत्तरकाशी के विध्वंसक भूकंप की जिम्मेदार इंडियन और युरेशियन प्लेटें ही थी।

1. संजाल पूर्ण कीजिए :

भूकंपीय पट्टी में आने वाले प्रदेश

2. 'भूकंप से होने वाली हानियॉं' पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए -

विभाग 2 : पदय

प्र. 2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियॉं कीजिए : **6**

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक-सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप-छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आह्वान उसका आज कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

Genius
JEE NEET CET FOUNDATION Institute

1. i) संजाल पूर्ण कीजिए : **1**

कृषक इन स्थितियों में अविचल रहता है

ii) संजाल पूर्ण कीजिए : **1**

पद्यांश में प्रयुक्त ऋतुओं के नाम

2. निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए : **2**

i) कवि किसान का उत्थान करना चाहत है।
ii) कवि किसान की दीनता पर व्यंग करता है।

3. निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए :

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।

प्र. 2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6**

चौपाई :

घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा ।।
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं । खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं ।।
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ । जथा नवहिं बुध विद्या पाएँ ।।
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे । खल के बचन संत सह जैसे ।।
छुद्र नदी भरि चली तोराई । जस थोरेहुं धन खल इतराई ।।
भूमि परत भा ढाबर पानी । जनु जीवहिं माया लपटानी ।।
समिटि-समिटि जल भरहिं तलवा । जिमि सद्‌गुन सज्जन पहिं आवा ।।
सरिता जल जलनिधि महुँ जाई । होई अचल जिमि हरि पाई ।।

1. i) संजाल पूर्ण कीजिए : **1**

पद्यांश में आए प्राकृतिक जलस्त्रोत
[ ] [ ]

ii) ऐसा प्रश्न तैयार कीजिए कि जिनका उत्तर निम्नलिखित शब्द हो : **1**
नदियों

Genius
CET | FOUNDATION Institute

2. उचित जोड़ियाँ मिलाइए : **2**

'अ' गट	**'ब' गट**
i) दमकती बिजली	अ) माया से लिपट जीव
ii) बादलों की गर्जना	आ) दुष्टों के वचन
iii) चोट सहना	इ) श्री राम का डरना
iv) भूमि पर गिरा पानी	ई) दुष्ट की प्रीति

3. निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए : **2**

समिटि-समिटि जल भरहिं तलवा । जिमि सद्‌गुन सज्जन पहिं आवा ।।
सरिता जल जलनिधि महुँ जाई । होई अचल जिमि हरि पाई ।।

विभाग 3 : पूरक पठन

प्र. 3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4**

जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है । चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ो पर बैठीं या आसमान में उड़तीं हुई नहीं । बिजली या टेलीफोन के तारों पर पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखती। उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर-उधर फुदक सकते हों या चूँ-चूँ की आवाजें निकाल सकते हों।

मैं ऐसी सँकरी और तंग गली में, मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़ से बीजली या टेलीफोन के तारों से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जूझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश में हूँ ।

1. प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :

गली की विशेषताएँ

2. 'पक्षियों की घटती संख्या' इस पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए :

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4**

यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में ।
हमसे तुम या तुमसे हम बढ़- चढ़कर क्या रक्खा इसमें ।
झगड़े से न कुछ हासिल होगा, रख देंगे बातें उलझा के ।
बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रजिया भारत माँ के ।
भारत माता के रथ के हैं हम दो दोनों ही दो-दो पहिये, अजी दो पहिये, हाँ दो पहिये ।
हम उस धरती की संतति हैं ....

Genius
JEE | NEET | CET | FOUNDATION Institute

1. सही या गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके फिर से लिखिए :
i) झगड़ने से सब कुछ प्राप्त होता है।
ii) स्त्री व पुरुष भारत माता के रथ के दो पहिए हैं।

2. 'स्त्री व पुरूष समाज के प्रमुख अंग है' इस पर आपके विचार लिखिए :

विभाग 4 : भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र. 4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1. अधोरेखांकित शब्द का शब्द भेद पहचानकर लिखिए : **1**
मैं अपने <u>आप</u> पुस्तक पढ़ लूँगा।

2. निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग लिखिए : **1**
i) धीरे-धीरे ii) सामने

3. कृति पूर्ण कीजिए : (कोई एक) **1**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि-भेद
नरेंद्र		

अथवा

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि-भेद
	अति + अंत	

4. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक सहायक किया को पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : **1**

i) बच्चा भूक से मर गया।

ii) राजेश ने नदी का किनारा छोड़ दिया।

सहायक किया	मूल रूप

5. निम्नलिखित में से किसी एक किया का 'प्रथम' तथा 'दवितीय' प्रेरणार्थक रूप लिखिए : **1**

किया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	दवितीय प्रेरणार्थक रूप
i) पढ़ना		
ii) बैठना		

6. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

i) बातों में आ जाना।

ii) तोलकर बोलना।

अथवा

अधोरेखंकित वाक्यांश के लिए उचित महावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :

(आर्श्चय चकीत होना, पैर पकड़ना)

समीर ने अपनी गलती पर पिताजी से <u>क्षमा याचना की</u>।

Genius
JEE | NEET | CET | FOUNDATION Institute

7. निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए : **1**

i) वह शनिवार को मुंबई गया।

ii) राम ने तीर से रावण को मारा।

8. निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए : **1**

बेटे तरूण हो होकर चल बसे थे

9. निम्नलिखित वाक्य में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन कीजिए : **2**

i) सादगी का आग्रह हुआ। (सामान्य भविष्यकाल)

ii) मैं खाना खा रहा हूँ। (अपूर्ण भूतकाल)

iii) रहमान लक्ष्मी को मारता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

10. i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर वाक्य का प्रकार लिखिए : **1**

मुझे बुखार था, इसलिए मैं विद्यालय नहीं आ सका।

ii) निम्नलिखित वाक्यों मे से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए : **1**

i) प्रात:काल पक्षी चहचहाते है। (संयुक्त वाक्य)

ii) अमीर लंदन चला गया। (प्रश्नार्थक वाक्य)

11. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए : **2**

i) वह बहुत सुसत है।

ii) मुझे अपने देष से प्यार है।

iii) मिश्राजी की कमरा शायद बगल में है।

विभाग 5 : उपयोजित लेखन

प्र. 5. (अ) 1. पत्र-लेखन :

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए : 5

अविनाश/अंजली गुप्ता 12/A वसंत विहार, आनंद नगर, मुंबई से अपने मित्र/सहेली राजन/रंजनी त्रिवेदी 16/C मुकुंद सोसायटी, कोल्हापूर को उसके जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल न होने का कारण बताते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

आदर्श विद्यालय, मुंबई विद्यार्थी प्रतिनिधि के नाते स्वच्छता अभियान पर लेख प्रकाशित करने हेतु संपादक महाराष्ट्र टाइम्स, मुंबई को पत्र लिखिए।

2. गद्य आकलन - प्रश्ननिर्मिती :

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हों : 4

विद्यार्थी के लिए शिक्षक ही उसका आदर्श होते है लेकीन भीड़ भरी कक्षाओं में शिक्षक के लिए यह संभव नहीं हो पाता कि वे अपने विद्यार्थी और उसकी समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से जान सकें। कार्य में अत्यधिक बोझ और शिक्षा पद्धति की औपचारिकताओं को पूरा करने में उनकी संपूर्ण शक्ति और समय समाप्त हो जाता है। विदयार्थी केवल इस कुंठा से ग्रासित नहीं रहते कि उनके शिक्षक उनका नाम तक नहीं जानते, बल्कि अपनी संपूर्ण असुविधाओं के कारण भी शिक्षकों की उदासीनता ही समझते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में संपूर्ण देश के लिए कोई समान नीति न होने से भी विद्यार्थिओं के आक्रोश में वृद्धि होती है। वर्तमान शिक्षा नौकरशाही बाबू तैयार करती है। लेकिन जब अपनी आयु का आधा भाग डिग्री प्राप्त करने के पश्चात्, दर-दर भटकने के बाद भी उसे कहीं रोजगार प्राप्त नहीं होता तो वह उग्र रूप धारण करता है।

Genius JEE | NEET | CET | FOUNDATION Institute

प्र. 5. (आ) 1. वृत्तांत-लेखन : 5

निम्नलिखित विवरण के आधार पर वृत्तांत लेखन कीजिए।

अपने परिसर में मनाए गए वनमहोत्सव का लगभग लगभग 70 से 80 शब्दों में वृत्तांत लिखिए।

(वृत्तांत में स्थान, समय, घटना का होना आवश्यक है।)

अथवा

कहानी-लेखन :

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखिए।

एक जंगल में दो तोतों का जन्म --- दोनों का बिछड़ना --- एक का ऋषी-मुनियों के आश्रम में पलना --- दूसरा चोरों के संग --- आश्रमवासी तोते की भाषा मधुर विनम्र --- चोरों के संग रहनेवाले तोते की भाषा कठोर एवं अशिष्ट --- एक ही माँ के बच्चे होते हुए भिन्नता।

2. विज्ञापन-लेखन :

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार किजिए। 5

प्र. 5. (इ) निबंध-लेखन :

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए। 7

i) प्रदूषण की समस्या

ii) संगणक एक वरदान

iii) नदी की आत्मकथा

Genius
JEE | NEET | CET | FOUNDATION Institute